नरेश पाल गंगवार, आई.ए.एस.
शासन सचिव

सत्यमेव जयते

स्कूल शिक्षा एवं भाषा विभाग
राजस्थान सरकार, जयपुर

अ.शा.पत्र क्रमांक रामाशिप/SIQE/F–60701/
जयपुर, दिनांक

प्रिय संस्था प्रधान जी,

विषयः– एसआईक्यूई कार्यक्रम की प्रभावी क्रियान्विति सुनिश्चित करवाने के संबंध में।

राज्य में एसआईक्यूई कार्यक्रम की सफलता संस्थाप्रधानों के सकारात्मक सहयोग पर निर्भर है। अतः सर्वप्रथम आवश्यक है कि आप स्वयं की एसआईक्यूई कार्यक्रम के बारे में समझ स्पष्ट हो। इसी बात को ध्यान रखते हुए संस्थाप्रधानों को राज्य स्तर पर सीधे बोध शिक्षा समिति के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। एसआईक्यूई कार्यक्रम के सफल संचालन में संस्थाप्रधानों, हैड टीचर्स व शिक्षकों का समन्वय बहुत आवश्यक है। अतः बालकों की शैक्षिक स्थिति का आकलन,तद्नरूप कार्ययोजना बनाना, बालकेन्द्रित एवं गतिविधि आधारित शिक्षण की कक्षा–कक्ष में कियान्विति हेतु निम्न बिन्दुओं पर कार्यवाही सुनिश्चित की जावे –

- संस्थाप्रधान एवं हैड टीचर्स कक्षा 1 से 5 तक एसआईक्यूई शिक्षण कार्य का नियमित अवलोकन कर शिक्षकों को सम्बलन प्रदान करें । कक्षा अवलोकन के दौरान मात्र अभिलेख संधारण पर ध्यान न देकर कक्षागत प्रक्रिया, बालकेन्द्रित एवं गतिविधि आधारित शिक्षण का अवलोकन एवं आंकलन कर कार्यक्रम की प्रभावी क्रियान्विति हेतु शिक्षक एवं शिक्षार्थियों को सम्बलित करें।
- राज्य मुख्यालय द्वारा आयोजित विषयवार वी.सी में सम्बन्धित अध्यापकों की शत–प्रतिशत सहभागिता सुनिश्चित करें। ध्यान मे लाया गया है कि वी. सी. केन्द्र पर कतिपय न्यूनताऐं व्याप्त है, यथा प्रसारण में बाधा, केन्द्र पर अधिक भीड, संभागियों की अल्पकालीन उपस्थिति इत्यादि इस सन्दर्भ में वी.सी केन्द्र संस्थाप्रधान समस्त न्यूनताओं को दूर करें जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला परियोजना समन्वयक से सम्पर्क कर संभागी विद्यालयों व संभागियों की सूची प्राप्त कर उनकी उपस्थिति व प्रभावी संहभागिता सुनिश्चित करे तदनरूप उपस्थिति पत्र जारी करें।
- राज्य में 380 आदर्श प्रथम चरण के विद्यालयों का चयन इन्टेसिव क्लासरूम सपोर्ट कार्यक्रम हेतु किया गया है। इन विद्यालयों को एसआईक्यूई के मॉडल विद्यालय के रूप में स्थापित किया जाये इस हेतु डीएसएफ, डाइट तथा केआरपी से समन्वय कर सहयोग प्राप्त करे इसे क्लस्टर स्तरीय प्रेरक एवं मॉडल विद्यालय के रूप मे विकसित करे जो अन्य विद्यालयों के लिए प्रेरक बने।
- द्वैमासिक क्लस्टर स्तरीय कार्यशाला में सम्बन्धित शिक्षकों की सहभागिता सुनिश्चित करें। कार्यशाला में शिक्षक अपने विद्यालय से कार्ययोजना, डायरी, पोर्टफोलियो, कार्यपत्रक व विद्यालयों की बेस्ट प्रेक्टिस के सम्बन्ध में कार्यशाला में चर्चा करे।
- संस्थाप्रधान सर्व शिक्षा अभियान द्वारा जारी 5/– रू प्रति छात्र टी.एल.एम राशि का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करें। शिक्षकों को स्वनिर्मित टी.एल.एम के लिए प्रोत्साहित करें।
- संस्थाप्रधान एसआईक्यूई शिक्षण की हैड टीचर एवं शिक्षकों के साथ मासिक समीक्षा कर शिक्षकों को सम्बलन दे एवं तत् सम्बन्धी रिकार्ड भी संधारित करें।
- यदि किसी शिक्षक को एसआईक्यूई कार्यक्रम से सम्बन्धित कोई समस्या या जिज्ञासा हो तो संस्थाप्रधान, डीएसएफ से सम्पर्क कर उनकी समस्या का तुरन्त समाधान करावें।

मेरे द्वारा आपको व्यक्तिगत पत्र प्रेषित करने के पीछे एक ही उद्देश्य है कि आप स्वयं राज्य में शैक्षिक उन्नयन के कार्य में विशेष योगदान देकर बच्चों व राष्ट्र के भविष्य निर्माण में विशेष योगदान दे। इस कार्यक्रम के संचालन में अच्छा कार्य करने वाले संस्थाप्रधानों एवं शिक्षकों को जिला एवं राज्य स्तर पर सम्मानित किया जायेगा साथ ही इस कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता पायी गयी तो नियमानुसार सम्बन्धित के विरूद्व अनुशासनात्मक कार्यवाही की जावेगी।

साभार,

सद्भावी,

(नरेश पाल गंगवार)

प्रधानाचार्य/प्रधानाध्यापक
समस्त समन्वित उमावि/मावि

कमरा नं. 1212, मुख्य भवन, शासन सचिवालय, जयपुर - 302 005
दूरभाष : 0141-2227389 (का.) टैलीफैक्स : 0141-2227570
ई-मेल : pseducation2013@yahoo.com